Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

4

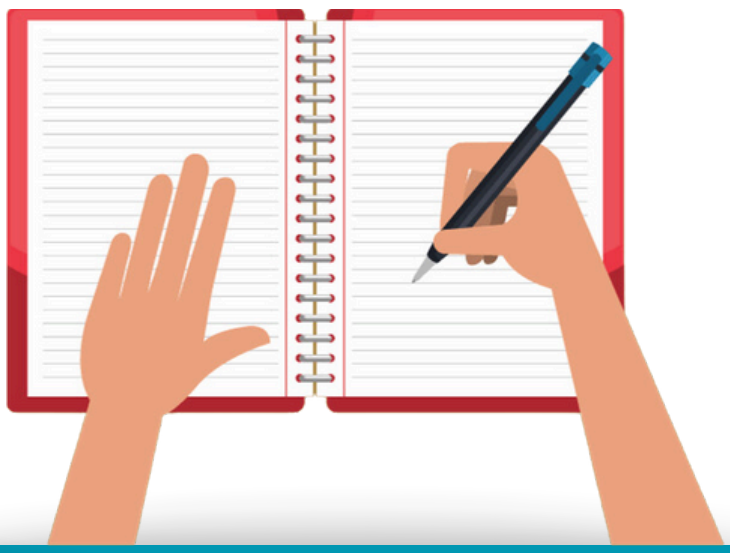

भारत - पाकिस्तान परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान - प्रदान

भारत और पाकिस्तान ने 1 जनवरी 2025 को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का आदान प्रदान किया।

यह आदान प्रदान 1988 में हुए परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध समझौते के तहत हुआ।

जो 27 जनवरी 1991 को लागू हुआ।

इस समझौते के अनुसार दोनों देश प्रतिवर्ष 1 जनवरी को अपने - अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची एक - दूसरे को सौंपते हैं।

यह इस प्रकार की सूचियों का लगातार 34वाँ आदान-प्रदान है।

पहली बार यह प्रक्रिया 1 जनवरी 1992 को शुरू हुई थी।

- भारत के पास कुल 172 परमाणु हथियार हैं।
- भारत का पहला परमाणु परीक्षण 18 मई 1974 को हुआ था। जिसका कोडनेम स्माइलिंग बुद्धा था।
- पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं जो उसे दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु शस्त्रागार बनाता है।

@resultmitra www.resultmitra.com

भारत-पाकिस्तान परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान

महत्त्वपूर्ण तथ्य

1. परमाणु सुरक्षा में योगदान:

- इस समझौते ने यह सुनिश्चित किया है कि दोनों देशों के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले की संभावना शून्य हो।
- यह परमाणु आपदा को रोकने का एक प्रभावी उपाय है।

2. क्षेत्रीय शांति:

- भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने के प्रयासों में यह एक सकारात्मक कदम है।
- यह तनाव कम करने और विश्वास बहाली में मदद करता है।

3. कूटनीतिक पहल:

- यह समझौता दर्शाता है कि गंभीर मतभेदों के बावजूद कूटनीति और संवाद से महत्वपूर्ण मुद्दों को हल किया जा सकता है।

4. अंतरराष्ट्रीय उदाहरण:

- यह समझौता अन्य देशों के लिए एक उदाहरण है कि तनावपूर्ण रिश्तों में भी CBMs (Confidence Building Measures) को लागू किया जा सकता है।

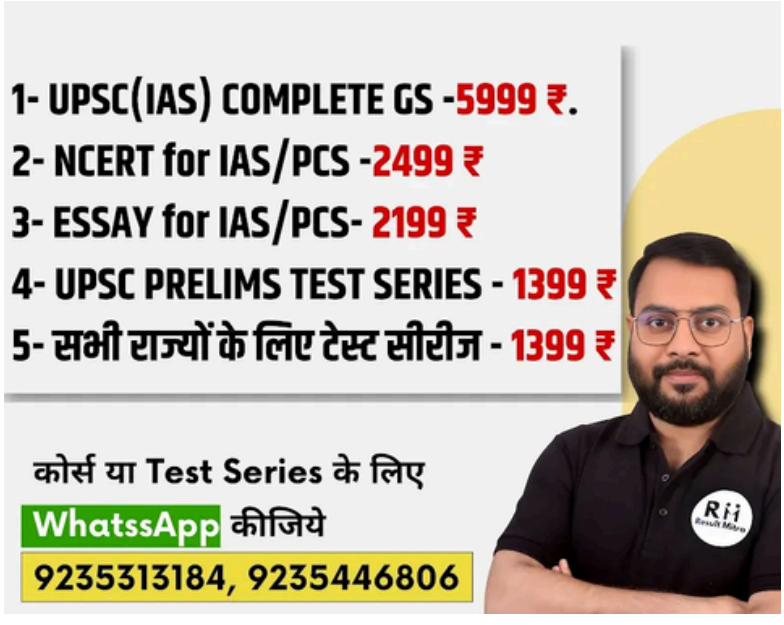

मनीष सिंघल ASSOCHAM के महासचिव नियुक्त

एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (ASSOCHAM) ने उद्योग जगत के दिग्गज मनीष सिंघल को अपना नया महासचिव नियुक्त किया है। वह दीपक सूद का स्थान लेंगे। जिन्होंने पाँच वर्षों तक इस पद पर सफलतापूर्वक कार्य किया

ASSOCHAM

full form :- Associated chambers of commerce And industry of india

यह भारत के प्रमुख व्यापार संघों में एक है

स्थापना - साल 1920

मुख्यालय - नई दिल्ली

गैर - सरकारी संगठन है

- यह संगठन भारत में व्यापार और वाणिज्य के हितों का प्रतिनिधित्व करता है

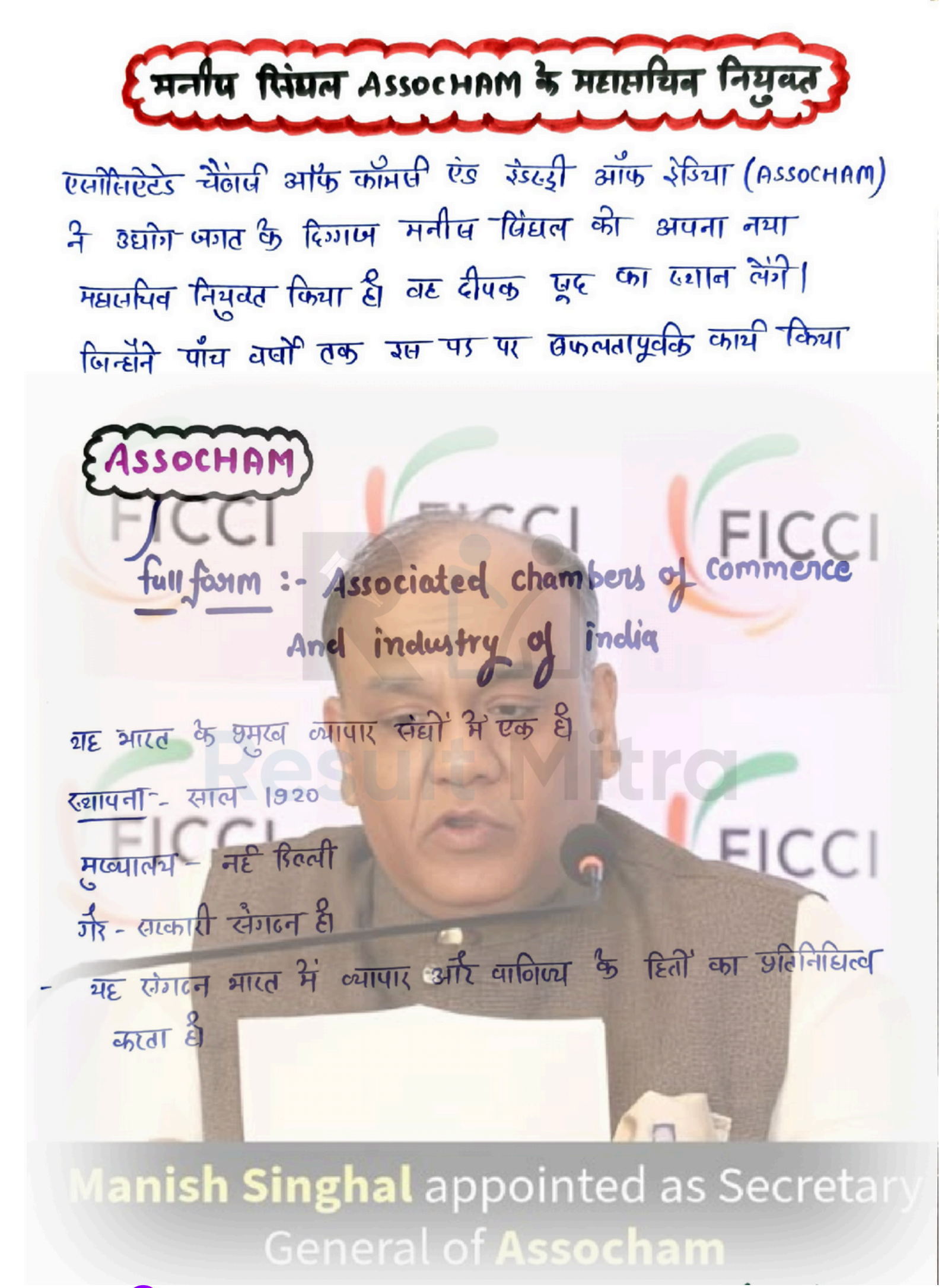

Result Mitra

मनीष सिंघल ASSOCHAM के महासचिव नियुक्त

मुख्य उद्देश्य:

1. **नीति निर्माण में सहयोग:**
   - सरकार और नीति निर्माताओं को उद्योग, व्यापार, और वाणिज्य के लिए उपयुक्त नीतियां बनाने में मार्गदर्शन देना।
2. भारतीय उद्योग को सशक्त बनाना:
   - उद्योगों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने में मदद करना।
3. **आर्थिक विकास:**
   - भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त और समावेशी बनाने के लिए रणनीतियों का प्रस्ताव करना।
4. **व्यापार सुविधा:**
   - व्यापार के लिए बेहतर माहौल सुनिश्चित करना और कानूनी एवं प्रशासनिक बाधाओं को कम करना।

महत्वपूर्ण कार्य:

1. **रिपोर्ट और अनुसंधान:**
   - ASSOCHAM उद्योग और अर्थव्यवस्था पर व्यापक रिपोर्ट तैयार करता है।
   - यह बाजार के रुझानों, अवसरों, और चुनौतियों का विश्लेषण करता है।
2. **सेमिनार और सम्मेलन:**
   - ASSOCHAM नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता है।
   - यह मंच व्यापारियों, निवेशकों, और सरकारी प्रतिनिधियों को जोड़ने का काम करता है।
3. **उद्योगों का समर्थन:**
   - यह कर नीति, बैंकिंग सुधार, वित्तीय समावेशन, और व्यापार कानून जैसे मुद्दों पर सिफारिशें देता है।
4. **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:**
   - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अन्य देशों के वाणिज्य मंडलों के साथ साझेदारी।

DRDO की स्थापना और उसका इतिहास

DRDO की स्थापना - 1958

इसका गठन रक्षा विज्ञान संगठन और भारतीय सशस्त्र बलों के कुछ तकनीकि विभागों को मिलाकर किया गया था।

- यह रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

- मुख्यालय - नई दिल्ली

मिसाइल विकास कार्यक्रम

(1) अग्नि मिसाइल
(2) पृथ्वी मिसाइल
(3) नाग मिसाइल
(4) आकाश मिसाइल

- ध्येय वाक्य

बलस्य मूलम विज्ञानं

अर्थ - शक्ति का स्रोत विज्ञान

Result Mitra

DRDO की स्थापना और उसका इतिहास

DRDO का उद्देश्य:

1. आत्मनिर्भरता:
    - रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना।
2. **अग्रणी अनुसंधान:**
    - सैन्य अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकी विकसित करना।
3. **स्वदेशीकरण:**
    - आयातित रक्षा उपकरणों को स्वदेशी उपकरणों से बदलना।

DRDO के प्रमुख कार्यक्षेत्र:

DRDO 10 प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास करता है:

1. एयरोनॉटिक्स (उदाहरण: लड़ाकू विमान जैसे तेजस)
2. आयुध (Armaments)
3. इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर विज्ञान
4. मिसाइल और स्ट्रैटेजिक सिस्टम
5. नौसेना प्रणाली
6. रडार और सेंसर
7. लड़ाकू वाहनों और टैंकों का विकास
8. एडवांस्ड सामरिक हथियार
9. जैव-रक्षा और रासायनिक रक्षा
10. परमाणु ऊर्जा संबंधित उपकरण

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में

मन्नथु पद्मनाभन एक प्रसिद्ध भारतीय समाज सुधारक स्वतंत्रता सेनानी और केरल के सामाजिक - धार्मिक सुधार आंदोलनों के प्रमुख नेता थे।

- वह नायर सेवा समाजम (NSS) के संस्थापक थे।
- जन्म - 2 जनवरी 1878 (केरल)
- 1914 में उन्होंने नायर सेवा समाजम की स्थापना की।
- इसका उद्देश्य नायर समुदाय में शिक्षा, सामाजिक उत्थान और जातिवाद को समाप्त करना था।
- पद्मनाभन ने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई।
- उन्होंने जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाई।
- 25 फरवरी 1970 - निधन
- हाल ही में 2 जनवरी को उनकी 145 वीं जयंती मनाई गई।

@resultmitra www.resultmitra.com

मन्नथु पद्मनाभन

सम्मान और पुरस्कार:

- 1966 में पद्म भूषण से सम्मानित।
- भारत के राष्ट्रपति द्वारा 'भारत केसरी' की उपाधि प्रदान की गई।

राजनीतिक योगदान:

- 1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य बने और त्रावणकोर में सर सी.पी. रामास्वामी अय्यर के प्रशासन के खिलाफ आंदोलन में भाग लिया।
- 1947 में स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण गिरफ्तार हुए।
- 1949 में त्रावणकोर विधानसभा के सदस्य बने।
- 1964 में केरल कांग्रेस के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो भारत की पहली क्षेत्रीय पार्टी थी।

सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक और महिला अधिकारों की प्रबल समर्थक थी। उनका जीवन महिलाओं और दलित वर्गों की शिक्षा और समानता प्रदान करने के लिए समर्पित था।

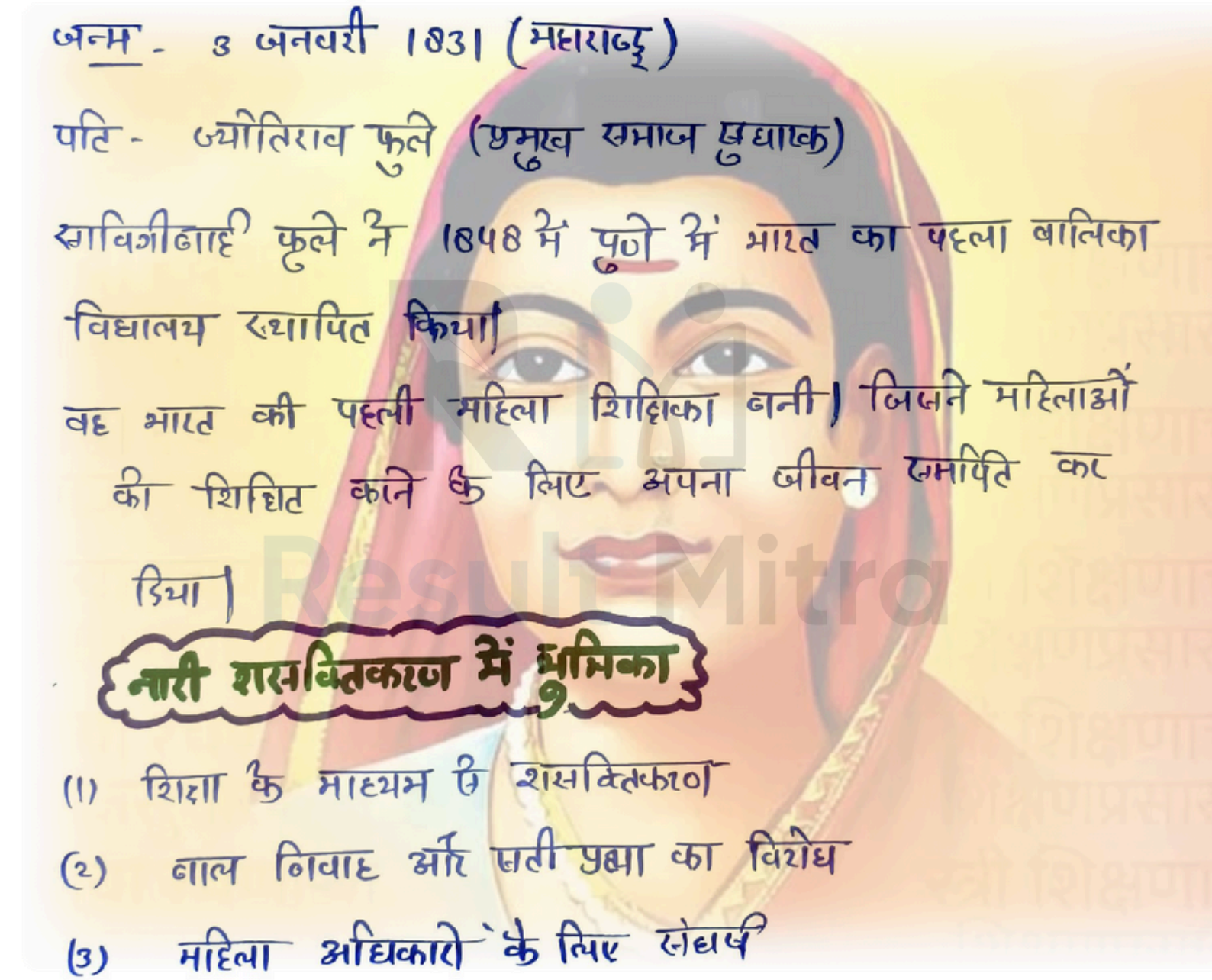

जन्म - 3 जनवरी 1831 (महाराष्ट्र)

पति - ज्योतिराव फुले (प्रमुख समाज सुधारक)

सावित्रीबाई फुले ने 1848 में पुणे में भारत का पहला बालिका विद्यालय स्थापित किया।

वह भारत की पहली महिला शिक्षिका बनी। जिन्होंने महिलाओं की शिक्षित करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

नारी शसक्तिकरण में भूमिका

(1) शिक्षा के माध्यम से शसक्तिकरण

(2) बाल विवाह और सती प्रथा का विरोध

(3) महिला अधिकारों के लिए संघर्ष

(4) जातिगत भेदभावों के खिलाफ संघर्ष

(5) महामारी के समय योगदान

@resultmitra www.resultmitra.com

- 1897 में लोग महामारी की चपेट में आ जाने से मृत्यु
- नारी मुक्ति आंदोलन की जननी कहा जाता है
- इनके जन्मदिवस को बालिका दिवस के रूप में मनाया जाता है

लेखन और साहित्य:

1. सावित्रीबाई ने सामाजिक सुधारों को प्रोत्साहित करने के लिए कविताएँ लिखीं।
2. उनके प्रमुख काव्य संग्रह:
    - "काव्यफुले" (1854)
    - "भवतरंग" (1892)

स्थापित प्रमुख संस्थाएँ:-

बालहत्या प्रतिबंधक गृह
विधवा पुनर्विवाह केंद्र
अछूतों और दलितों के लिए विद्यालय
महिला शिक्षा मंडल
अस्पताल:

- सावित्रीबाई फुले ने प्लेग महामारी (1897) के दौरान रोगियों के इलाज और सेवा के लिए एक विशेष शिविर की स्थापना की।
- इस सेवा के दौरान उन्होंने अपनी जान गंवा दी, लेकिन यह उनका सेवा और बलिदान का प्रतीक बन गया।

Result Mitra